A-625

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-104

शान्ति, संस्कार एंव श्राद्धविधान

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. नवग्रहों का मानव जीवन क्या प्रभाव है सविस्तार वर्णन कीजिये।

Q.2. अभिषेक विधि का सविस्तार वर्णन करें।

Q.3. महर्षि व्यास के अनुसार संस्कारों को महत्वता पर प्रकाश डालिये।

Q.4. पञ्च गव्य होम विधि का वर्णन करें।

Q.5. कुशकण्डिका विधि का परिचय दीजिये।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. विवाह में चन्द्रबल का विचार किस प्रकार किया जाता है उसे लिखिए।

Q.2. नामकरण संस्कार में नक्षत्र कि क्या महत्वता है, उसे परिभाषित करें।

Q.3. यज्ञोपवीत संस्कार कि विशिष्ठता पर प्रकाश डालिये।

Q.4. अक्षरारम्भ संस्कार में शुभ मुहूर्तों का वर्णन करें।

Q.5. नवग्रहों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

Q.6. शनि ग्रह के शान्ति विधि को लिखिए।

Q.7. गण्डमूल नक्षत्र कौन–कौन से है उनको परिभाषित करें।

Q.8. नामकरण संस्कार में शुभाशुभ मूहूर्त का वर्णन कीजिये।

अथवा

जातकर्म में होने वाले मुख्य कर्मों का वर्णन करें।

****